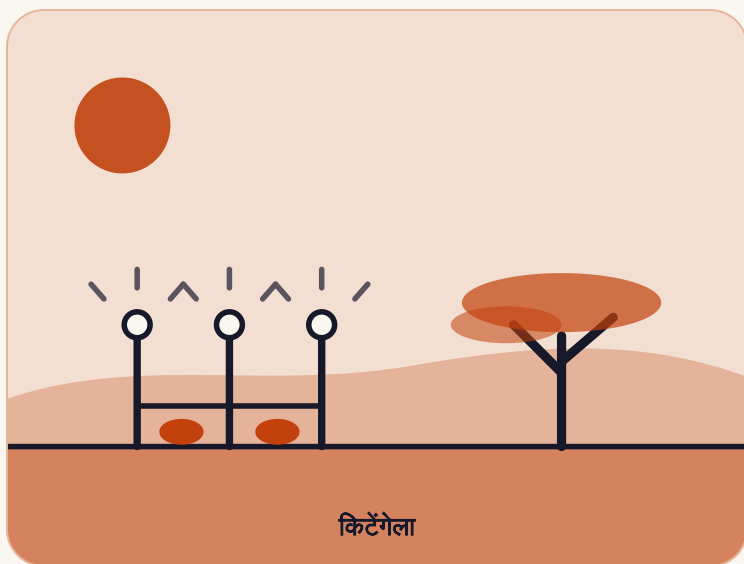




केन्या

वह लड़का, जिसने रोशनी से शेरों को भगाया

नैरोबी के पास का एक मसाई लड़का शेरों के हाथों मवेशी खोते-खोते थक गया था। 11 साल की उम्र में उसने ऐसी बत्तियाँ बनाई, जो शेरों को दूर रखती थीं।

कहाँ किटेंगेला

कौन रिचर्ड तुरेरे, किटेंगेला का एक मसाई लड़का

कब 2011 से 2013

4 मिनट में पढ़ें

कहानी

रिचर्ड तुरेरे केन्या के किटेंगेला में पले-बढ़े। उनके परिवार का घर नैरोबी राष्ट्रीय उद्यान के किनारे है। उद्यान में शेर, जिराफ़ और दूसरे जंगली जानवर घूमते हैं।

वे मसाई हैं, और उनके परिवार के पास मवेशी थे। नौ साल की उम्र में उन्होंने उन्हें चराना शुरू किया। रात को अक्सर शेर आकर परिवार की गायों, बकरियों और भेड़ों को मार देते थे। वे शेरों से नफ़रत करते हुए बड़े हुए।

चलती रोशनी

इलाक़े के कई चरवाहों ने जवाबी हमला किया। कुछ ने शेरों को ज़हर देकर मार डाला। एक रिपोर्ट के मुताबिक़ केन्या हर साल 100 से ज़्यादा शेर खो देता है, अक्सर नाराज़ स्थानीय लोगों के हाथों।

रिचर्ड ने कुछ और आजमाया। एक दिन वे टॉर्च लेकर मवेशियों के बाड़े के चारों ओर घूम रहे थे। शेर दूर रहे। वे चलती हुई रोशनी से डरते थे।

एक दिन, जब मैं घूम रहा था, तो मैंने पाया कि शेर चलती हुई रोशनी से डरते हैं।

रिचर्ड तुरेरे, CNN से, 2013

रिचर्ड 11 साल के थे। उन्हें बिजली के छोटे उपकरण खोलना और ठीक करना पसंद था। कुछ हफ़्ते बाद उनके पास एक योजना थी।

उन्होंने बाड़े के चारों ओर खंभों पर चमकने वाले LED बल्ब लगाए, जो छोटी तेज़ बत्तियाँ होती हैं। वे बाहर की ओर थे। उन्होंने उन्हें स्विच वाले एक डिब्बे से और एक पुरानी कार की बैटरी से जोड़ा। एक सोलर पैनल बैटरी को चार्ज रखता था।

बल्ब बारी-बारी से जलते-बुझते हैं। शेर को यह ऐसा लगता है जैसे कोई आदमी टॉर्च लिए घूम रहा हो।

11

जब उन्होंने इसे बनाया, तब
उम्र

\$10

या उससे कम, पूरे सिस्टम
का खर्च, संयुक्त राष्ट्र की
रिपोर्ट के मुताबिक

75

2013 तक केन्या में चल
रहे सेट

क्या यह काम किया?

रिपोर्टों के मुताबिक हँ। CNN ने 2013 में बताया कि तब से उनके परिवार ने शेरों के हाथों कोई मवेशी नहीं खोया। पड़ोसियों ने अपने लिए भी बत्तियाँ माँगीं।

केन्या वन्यजीव सेवा के एक वैज्ञानिक ने BBC को इसकी वजह बताई। शेर एक जैसी स्थिर रोशनी से नहीं डरते। पर कई जगहों से टिमटिमाती रोशनी उन्हें उलझा देती है।

रिचर्ड कहते हैं कि उन्हें किसी ने नहीं सिखाया। “मैंने यह खुद किया,” उन्होंने CNN को बताया।

2013 में, 13 साल की उम्र में, उन्होंने कैलिफ़ोर्निया में TED सम्मेलन में बात रखी। वन्यजीव विशेषज्ञों ने उन्हें केन्या के एक अच्छे स्कूल में छात्रवृत्ति दिलाने में मदद की थी।

कब क्या हुआ

- **9 व.** रिचर्ड परिवार के मवेशी चराना शुरू करते हैं।
- **11 व.** वे पहली “लाइन लाइट्स” बनाते हैं।
- **2012** वे छात्रवृत्ति पर एक अच्छे स्कूल में पढ़ना शुरू करते हैं।
- **2013** 13 साल की उम्र में वे TED सम्मेलन में बात रखते हैं।

दूसरा अध्याय

यह कहानी खास क्यों है

वन्यजीवों को बचाने के ज़्यादातर विचार विशेषज्ञों से आते हैं। यह एक ऐसे लड़के से आया जो शेरों से नफ़रत करता था। इसने एक ही समय में मवेशियों और शेरों दोनों को बचाया।

यह सस्ता और सीधा भी था, इसलिए पड़ोसी इसे अपना सकते थे।

हमारी राय

उन्होंने यह देखकर समस्या हल की कि शेर किससे डरते हैं।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 बनाने से पहले देखिए

रिचर्ड ने पहले देखा कि शेर चलती टॉर्च से डरते हैं। फिर उन्होंने अपनी बत्तियाँ बनाई।

यह आजमाएँ: जो समस्या आपके सामने है, उसे ठीक करने से पहले दस मिनट सिर्फ़ देखिए।

2 जो पहले से काम करता है, उसकी नक़ल कीजिए

टॉर्च लिए एक व्यक्ति शेरों को दूर रखता था। उनकी टिमटिमाती बत्तियों ने उसकी नक़ल की।

यह आजमाएँ: अपने जीवन की कोई एक चीज़ चुनिए जो पहले से काम करती है, और पूछिए कि उसे कैसे दोहराएँ।

3

जो आपके पास है, उसे इस्तेमाल कीजिए

उन्होंने LED बल्ब, एक पुरानी कार की बैटरी और एक सोलर पैनल इस्तेमाल किया।

यह आजमाएँ: अपनी तीन ऐसी चीज़ें लिखिए जो किसी छोटी समस्या को हल कर सकती हैं।

4

हल को बाँटिए

पड़ोसियों ने बत्तियाँ माँगीं, और 2013 तक लगभग 75 सेट चल रहे थे।

यह आजमाएँ: किसी एक व्यक्ति को वह हल दिखाइए जो आपके काम आया।

साथ ले जाने वाली एक बात

समस्या को ग़ौर से देखिए, वह आपको जवाब दिखा सकती है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

CNN

[Boy scares off lions with flashy invention \(2013\)](#)

Africa Renewal (United Nations)

[Simple invention brokers peace between humans and wildlife \(2013\)](#)

TED

[Richard Turere, speaker profile](#)

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर एकमत हैं। तारीखें उनकी उम्र से निकाली गई हैं: CNN कहता है कि 2013 की शुरुआत में वे 13 साल के थे और उन्होंने बत्तियाँ 11 साल की उम्र में बनाई, यानी लगभग 2011। CNN कहता है कि बत्तियों के बाद उनके परिवार ने शेरों के हाथों कोई मवेशी नहीं खोया; संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि हमले “घट रहे” थे। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि सिस्टम में पाँच टॉर्च बल्ब हैं और खर्च 10 डॉलर से कम है; CNN सिर्फ़ “कम लागत” कहता है। केन्या में 75 सेट CNN की 2013 की गिनती है। केन्या वन्यजीव सेवा के वैज्ञानिक का कथन BBC

ने दिया, जैसा संयुक्त राष्ट्र ने बताया; मैंने BBC का लेख नहीं खोला। साल में 100 से ज़्यादा शेर खोने का आँकड़ा संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से है, जो The Economist का हवाला देती है; मैंने उसे जाँचा नहीं। Elephant Society का 2023 का एक पत्रा कहता है कि बक्तियाँ अब 2,000 से ज़्यादा घरों की रक्षा करती हैं और वे हर हफ़्ते लगभग नौ गायें खोते थे; यह एक ही स्रोत से है, इसलिए कहानी इसे छोड़ देती है। द नेशन (केन्या) का लेख CNN के लेख की नक़ल है, इसलिए उसे दूसरा स्रोत नहीं गिना गया। “हमारी राय” वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।